कैसे मैं कहूं श्याम | By Ishaan Sharma

कैसे मैं कहूं तुझसे मेरी आँख भर आती है
मैंने तो सुना है तू हारे का साथी है
मेरी भी सुन लो तुम, मेरी भी सुन लो तुम
मेरी भी सुन लो तुम, मेरी बात ज़रा सी है
कैसे मैं कहूं तुझसे मेरी आँख भर आती है

दिल से आकर वो बात मेरी लब पे आके रुक जाती है
जब सामने मूरत तेरी ये बाबा मेरे आ जाती है
दुखों की शाम मेरी, दुखों की शाम मेरी
दुखों की शाम मेरी , पल में ढल जाती है
कैसे मैं कहूं तुझसे मेरी आँख भर आती है

तेरे बिना मैं अब ये दुखड़ा अपना क्सिको सुनाऊंगा
तू ही बता मैं तेरा हूँ और मैं किस दर जाऊँगा
तेरे खाटू की मिटटी, तेरे खाटू की मिटटी
तेरे खाटू की मिटटी, मेरे लिए दवा सी है
कैसे मैं कहूं तुझसे मेरी आँख भर आती है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%82-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-by-ishaan-sharma/